सुविचार

आदि से अंत तक हम सिर्फ एक भारतीय है

: डा. भीमराव अंबेडकर

बाबा साहब डा. अंबेडकर जयंती विशेषांक

P.K.L. No. : HR/KKR/184/2022-24

सच्ची व सटीक खबर-आप तक

गजब हरियाणा

CONTACT : 91382-03233 हिन्दी राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र

सम्पादक : जरनैल सिंह

www.gajabharyana.com ◆ 14 अप्रैल 2022 अंक : 02 वर्ष - 05 पेज-4 मूल्य : 150/- रुपए सालाना ◆ Email : gajabharyananews@gmail.com

आभार
जरनैल सिंह रंगा

गजब हरियाणा समाचार पत्र का बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती विशेषांक निकालने में सहयोग करने पर सभी विज्ञापनदाताओं का आभार और उम्मीद करते हैं कि हमें आपका सहयोग हमेशा मिलता रहेगा।

कार्यालयः सामने बस अड्डा, पिपली (कुरुक्षेत्र)
सब-आफिस, गुरुद्वारा (गुढा) मार्कीट , करनाल रोड, इंद्री (करनाल)
जिला ऑफिस यमुनानगर : सैक्टर-17 जगाधरी यमुनानगर
गजब हरियाणा से जुड़ने के लिए संपर्क करें :
मो. 91382-03233, 99916-10843
अधिक जानकारी के लिए देखें हमारीः
वेबसाइट :www.gajabharyana.com
फेसबुक : @gajabharyananews
ट्विटर : @gajabharyana
इंस्टाग्राम : @gajabharyana
ब्लॉगर : gajabharyananews.com
यूटयूब : gajab haryana news
नोट : गजब हरियाणा में समाचार व विज्ञापन देने के लिए हरियाणा के समस्त जिलों के ब्यूरो चीफ/पत्रकारों व हमारे प्रतिनिधियों से भी संपर्ककर सकते हैं।

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए : डॉ अंबेडकर

सम्पादक की कलम से

समाजों को बांटने पर केंद्रित नफरत से संबंधी बयान व हिंसक संघर्ष के दौर में करुणा, अहिंसा , न्याय, भाईचारा, समानता, धर्मनिरपेक्षता व वैज्ञानिक दृष्टिकोण की आंबेडकर शिक्षा अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकती है। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जीवन भर श्रमिकों दलितों किसानों व महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को महू, मध्यप्रदेश के एक गांव में हुआ था। बचपन से ही आर्थिक और सामाजिक भेदभाव देखने वाले अंबेडकर जी ने विषम परिस्थितियों में पढ़ाई शुरू की थी। इतना ही नहीं बाबा साहेब को स्कूल में काफी भेदभाव झेलना पड़ा था। दलित समाज के उत्थान और उन्हें जागरुक करने में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का योगदान अतुल्य है।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी का जीवन संघर्ष और सफलता की ऐसी अद्भुत मिसाल है, जो शायद ही कहीं और देखने को मिले। इस साल बाबा साहेब की 131 वीं जयंती मनाई जा रही है।

इतिहास बताता है कि जहां नैतिकता और अर्थशास्त्र के बीच संघर्ष होता है, वहां जीत हमेशा अर्थशास्त्र की होती है। निहित स्वार्थों को तब तक स्वेच्छा से नहीं छोड़ा गया है, जब तक कि मजबूर करने के लिए पर्याप्त बल न लगाया गया हो। डॉ अंबेडकर जी ने कहा था कि बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने अपने जीवन के 65 सालों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कई ऐसे काम किए, जिन्हें आज भी भारत ही नही समूचे विश्व का व्यक्ति याद करता है।

जरनैल सिंह रंगा..... सम्पादक

डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को भारत में दलितों और पिछड़े वर्ग व महिलाओं के मसीहा के रूप में देखा जाता है। 1913 में एमए करने के लिए वे अमेरिका चले गए। तब उनकी उम्र महज 22 साल थी। अमेरिका में पढ़ाई करना बड़ौदा के गायकवाड़ शासक सहयाजी राव तृतीय से मासिक स्कॉलरशिप मिलने के कारण संभव हो सका था। इसके बाद 1921 में उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स से एमए की डिग्री ली। 1947 में भारत के स्वतंत्र होने के बाद उन्होंने कांग्रेस का भारत के कानून मंत्री बनने का प्रस्ताव मान लिया । 29 अगस्त 1947 को वे संविधान ड्राफ्टिंग कमेटी के चैयरमेन नियुक्त किए गए। 16 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपनाया। 6 दिसंबर 1956 को डॉ अंबेडकर जी का निधन हो गया।

बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के पास 32 डिग्रियां व उन्हें 9 भाषाओं का ज्ञान था।

सन 1937 में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी शोलापुर में मातंगों के एक सम्मेलन को संबोधित करने गए थे। इस अवसर पर शोलापुर म्युनिसिपेलिटी की ओर से भगवत चित्र मंदिर में 4 जनवरी को डॉ अंबेडकर जी का नागरिक अभिनंदन किया गया था। इस समारोह में उन्होंने संसदीय जनतंत्र पर जो विचार व्यक्त किए थे,

वे आज आज प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा- आज देश मे जनतंत्र तो है किंतु यह जनतंत्र ऐसा है जिसमे बुध्दि का प्रयोग बंद कर दिया गया है। इसने स्वयं को एकमात्र संगठन के चरणों में झुका दिया है। यह उस संगठन के कार्यों और नीतियों पर विचार करके निर्णय करने को प्रस्तुत नहीं है। मैं इसे सबसे बड़ी व्याधि, रोग और दुर्बलता मानता हूं। इसने हमारे सभी व्यक्तियों को प्रभावित किया है। वे नशे में हैं।

अपना भाषण जारी रखते हुए डॉक्टर अंबेडकर ने कहा था - दुर्भाग्य से भारतीय लोक परंपरा से ही ऐसे लोग हैं, जिनके पास बुद्धि कम और विश्वास ज्यादा है। ऐसा व्यक्ति जो सामान्य आचरणों से विपरीत कोई विलक्षण कार्य करता है तो उसे अन्य देशों में पागल कहा जाता है।

वही व्यक्ति हमारे देश में योगी या महात्मा का दर्जा प्राप्त कर लेता है। लोग उसके पीछे ऐसे चलने लगते हैं जैसे चारवाहे के पीछे भेड़ें चलती हैं। प्रजातंत्र को यह शिक्षा लेनी चाहिए कि जिस की बात सुनने योग्य है उन्हें आदर के साथ सुने।

आज हमें बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए जो खुद एक संदेश है। ज्यादा पढ़ा लिखा होना शिक्षित नही बल्कि शिक्षा तभी पूरी होती है जब उससे बराबरी का ज्ञान होता है।

जहां ऊंच-नीच का भाव आए वह अज्ञानता है अशिक्षित होने पहचान है। आज हमें उनके बताए तीन मूल मन्त्रों को ग्रहण करने की आवश्यकता है। बातें हमने बहुत कर ली,अब कुछ काम भी किया जाए ताकि हमें आने वाली पीढ़ियों के सवालों के कटघरे में न खड़ा होना पड़े।

बाबा साहब डॉ अंबेडकर जी ने मनुष्य नश्वर बताते हुए उसके विचारों को भी नश्वर बताया। वे कहते थे एक विचार को प्रचार-प्रसार की जरूरत होती है,

जैसे कि एक पौधे को पानी की, नहीं तो दोनों मुरझाकर मर जाते हैं। आओ हम बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के सपनों के भारत को बनाने में अपना योगदान जरूर दें।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांचवे वर्ष के प्रथम अंक का विमोचन

गजब हरियाणा समाचार पत्र के पांचवे वर्ष के प्रथम अंक का विमोचन करते डॉ बनवारी लाल सहकारिता मंत्री हरियाणा सरकार, राविदासचार्य सुरेश राठौर उत्तराखंड के पूर्व मंत्री, सुरजभान कटारिया सदस्य सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार व एडवोकेट हितेंद्र चौधरी

एससी,एसटी व बीसी के संगठनों के प्रतिनिधियों ने दिया राष्ट्रपति व पीएम के नाम ज्ञापन

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र में मूलनिवासी संघ एवं सभी पिछड़े वर्गों के संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा राष्ट्रीय सहयोग, समन्वय एवं बहुजन मूलनिवासी संघ के बैनर तले संविधान कार्यान्वयन चेतना रैली का आयोजन किया गया। रैली में असंवैधानिक क्रीमी लेयर को रद्द करने एवं पिछड़े वर्ग को संख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने, जाति आधारित जनगणना की मांग एवं जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व एवं बजट की मांग, राष्ट्रीयकरण का पैगाम- निजी करण पर लगाम, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा भारत के संविधान के अनुसार सबको उपलब्ध करवाने, असंवैधानिक लेटरल एंट्री का विरोध क्योंकि लेटरल एंट्री से एससी-एसटी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व के अधिकार को नकारती है, संवैधानिक नैतिकता एवं जिम्मेदारियों का अहसास समाज को करवाना रैली का मुख्य उद्देश्य रहा।

संविधान के सही तौर पर क्रियान्वयन के लिए भारत में मूलनिवासी बहुजन संगठनों को एकजुट करना, हरियाणा सरकार द्वारा 134-ए को समाप्त करने के विरोध में एवं अन्य कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर डॉ. बलबीर सिंह, जिला अध्यक्ष मूलनिवासी संघ, जिले सिंह सभरवाल राज्य कोषाध्यक्ष मूलनिवासी संघ, डॉ इंदर सिंह जिला अध्यक्ष, बामसेफ डॉ. प्रेम सिंह कार्यालय सचिव, डॉ संजय कल्सन, जिला महासचिव, डॉक्टर सतबीर सिंह, उप प्रधान, बलवान सिंह पावरिया, जगदीश लाल सभरवाल, अर्जुन बहादुरपुरा, मन्नू कनिपला, हवा सिंह पूर्व तहसीलदार, गोपीचंद डिप्टी डीईओ, नरेश घराडसी मेंबर ब्लॉक समिति, महावीर प्रसाद दहिया वह आसपास के क्षेत्रों से आए हुए लोग शामिल हुए। रैली के बाद माननीय राष्ट्रपति महोदय भारत सरकार को एक ज्ञापन उपायुक्त महोदय कुरुक्षेत्र के प्रतिनिधि को दिया गया। जिसमें सभी उपरोक्त मांगों की ओर ध्यान देने का निवेदन किया गया। साथ ही साथ एक ज्ञापन देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नाम पिछड़े वर्गों के अधिकारों के संबंध में दिया गया।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी - डा. भीमराव अम्बेडकर

डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारत के उन गिने-चुने नेताओं में से है जिन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में निर्णायक योगदान दिया है। इस दृष्टि से उनकी गणना राजाराममोहनराय, स्वामी दयानन्द, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस, जयप्रकाश नारायण और मौलाना अब्दुल कलाम आजाद जैसे महापुरुषों में की जा सकती है । डा. अम्बेडकर भारतीय संविधान के शिल्पी ही नहीं थे, वे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी -एक साथ ही विचारक, गम्भीर लेखक सफल वक्ता, पत्रकार, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाजसुधारक, विधिवेत्ता, संसदज्ञ, महान मनीषी, उत्कृष्ट प्रेमी, हिन्दू कोड बिल के प्रणेता ओर विश्व बन्धुत्व के पुजारी थे।

डा. अम्बेडकर सचमुच आधुनिक भारत के कर्ण थे। कर्ण का जन्म उनके वश में नही था। पौरुष उनके वश में था उन्होंने कहा भी था -

सूतो वा सूतपूत्रो वा योवा कोवा भवाम्यहम्
दैवायत्तं कुले जन्म, मदायत्यम् तू पौरुषम् ।

डॉ. अम्बेडकर का जन्म उनके अपने वश में न था, लेकिन उन्होंने अपने पुरुषार्थ से अपना नाम रोशन किया और आधुनिक भारत के इतिहास पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। उनके माता-पिता ने इनका नाम भीमराव रखा। अम्बेडकर नाम बाद में पड़ा। भीमराव के एक अध्यापक का नाम अम्बेडकर था। भीमराव की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्होंने यह नाम उनके साथ जोड़ दिया। शोषित कुलोत्पन डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन संघर्ष और सफलता की अद्भुत गाथा है। वे बीसवीं सदी के बौधिसत्व जिन्होंने अपना स्वार्थ भुलाकर शोषित एवं उपेक्षित समाज के दुखों को दूर करने के लिए अपना सब कुछ त्यागकर जीवन पर्यन्त परसुखाय के लिए जूझते रहे।

डॉ. अम्बेडकर को उनके समकालीन अमनानुषिक व्यवहार ने बिल्कुल हिलाकर रख दिया था। लेकिन उन्होंने इसका डटकर मुकाबला किया, और उपेक्षित मानव को नई राह दिखाने में निरन्तर प्रयत्नशील रहे। उनके जीवन पर इस प्रकार के अमानुषिक व्यवहार ने ऐसा प्रतिकूल प्रभाव डाला कि संस्कृत भाषा को देवी भाषा मानने वाले इस भारत में उनको संस्कृत पढ़ना नसीब न हुआ, फिर उन्होंने जर्मनी में जाकर संस्कृत का अध्ययन किया। इस प्रकार जो भी उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की, वह विदेशों के विश्वविद्यालयों से ही प्राप्त की।

एक अछूत परिवार में जन्म लेने और हर तरह के अपमानों तथा यातनाओं को सहन करने के बावजूद अम्बेडकर ने न केवल अपने लिए ही उन्नति का पथ प्रशस्त किया अपितु अपने समाज के पैरों की बेड़िया भी खोल दी और कारवां को उसके लक्ष्य तक पहुँचाया। उन्हें अपने पारिवारिक जीवन में अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा। अम्बेडकर अपनी धुन के पक्के थे। उनकी ध्येय-निष्ठा प्रबल थी और संकल्प फौलादी। यद्यपि बीसवीं सदी के प्रमुख दलित नेता पी. त्यागराय, टी.एम. नायर, रामास्वामी नायकर, सी.एन.अन्ना दुरै, श्री नारायण गुरु ज्योति राव गोविन्द राव फुले आदि थे। लेकिन डॉ. अम्बेडकर अपने असाधारण गुणों के कारण उपेक्षित एवं दलितों के निर्विवाद सर्वप्रिय नेता बन गये।

डॉ. अम्बेडकर का तूफानी जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अवसर वह था जब वे संविधान सभा की प्रारुप समिति के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। भारतीय संविधान की रचना और उसे संविधान सभा से पारित कराने

लेखक धर्मबीर लांगयान

का कार्य एक ऐतिहासिक महत्व का कार्य था और डॉ. अम्बेडकर ने अपने गिरते हुए स्वास्थ्य की प्रवाह ना करते हुए इस जिम्मेदारी को बहुत अच्छी तरह निभाया। संविधान के उपबन्धों के सम्बन्ध में डॉ. अम्बेडकर की व्याखायाएं प्रामाणिक थी। वे संविधानिक ज्ञान के विश्वकोश थे और संविधान के निर्माण में उनके योगदान की सभी राजनेताओं तथा संविधान विशेषज्ञों ने सराहना की है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर एक उच्च कोटि के राजनीतिज्ञ थे, उन्होंने अपने समय की राजनीतिक समस्याओं का तो विश्लेषण किया ही, राजनीति दर्शन की कुछ आधारभूत समस्याओं समानता, स्वतंत्रता, न्याय, लोकतंत्र, राजनीतिक दल, मताधिकार, मार्क्सवाद, अधिकार, शासन प्रणाली, न्यायपालिका, संघवाद, राज्य का कार्यक्षेत्र, शक्ति पृथककरण, समाजवाद, भाषावार राज्य, पंथ - निरपेक्षता पर भी अपने विचार प्रकट किए। उनका कहना था कि लोकतंत्र की रक्षा तभी हो सकती है जब उसमें समाज का प्रत्येक वर्ग प्रतिभागी हो और उन्हें समानता का लाभ मिले। डॉ. अम्बेडकर कर्मयोगी थे और समझते थे कि, लोगों को अपने अधिकारों / रक्षा के लिए सदैव जागरूक रहना चाहिए ।

डॉ. अम्बेडकर अपने समय के महान समाज सुधारक थे। उन्हें हिन्दू समाज की अनेक कुरीतियों को दूर करने की चेष्टा की। उन्हें हिन्दू समाज की दो कुरीतियां सबसे ज्यादा खटकती थी - जातिप्रथा और अस्पृश्यता अम्बेडकर ने समाज में स्त्रियों की रचनात्मक भूमिका को भी स्वीकार किया। वे स्त्रियों को पुरुषों के समान अधिकार देने के पक्षधर थे। उन्होंने हिन्दू-विधि का संशोधन करने के लिए हिन्दू कोड बिल तैयार किया था। इसका लक्ष्य हिन्दू समाज में सुधार करना तथा स्त्रियों को विवाह तथा उत्तराधिकार आदि विषयों में पुरुषों के बराबर अधिकार देना था। लेकिन संसद के कट्टरपंथी सदस्य डॉ. अम्बेडकर की प्रगतिशील विचारों से सहमत नही थे। अपने सहयोगियों का रूख देखते हुए उनका उत्साह ठंडा पड़ गया और उन्होंने विधेयक को वापिस ले लिया। उन्होंने खिन्न होकर भारत के प्रथम विधिमंत्री होते हुए मंत्रीमंडल से त्यागपत्र दे दिया। बाद में यह विधेयक केवल चार अधिनियमों के रूप में ही पारित हुआ।

डॉ. अम्बेडकर अपने समय के प्रतिष्ठित व्यक्ति के साथ-2 एक मौलिक प्रतिभा के धनी थे और उनका धर्म से बड़ा प्रेम था उनकी दृष्टि में सच्चा धर्म वहीं है जो सबके लिए कल्याणकारी हो । वे एक ऐसे धर्म की खोज में थे जो सभी मनुष्यों को समान समझे और सदाचार पूर्वक व्यवहार करने की शिक्षा दे । उन्होंने समाजिक स्वतंत्रता और समानता का एकमात्र उपाय धर्मपरिवर्तन समझा और मृत्यु से दो मास पूर्व बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की । 06 दिसम्बर 1956 प्रात:काल डॉ. अम्बेडकर का देहान्त हो गया । उन्होंने केवल अपने संघर्षमयी जीवन के 65 बसन्त देखे । डॉ. अम्बेडकर जो उपेक्षित समाज को दीपक दिखाने के लिए जीवन पर्यन्त जूझते रहे, इस संक्षिप्त लेख में समेटा नहीं किये जा सकता। यद्यपि आज वे हमारे मध्य नहीं हैं, फिर भी उनके औजस्वी विचार और उनका बहु-आयामी व्यक्तित्व समस्त मानव के कल्याणकारी जीवन के लिए सदैव प्रतीक के रूप में स्मरणीय रहेंगे।

डा. धर्मवीर लांगायन

नर्क तुम्हारा जीवन कोण है

एक मनोवैज्ञानिक छोटा सा प्रयोग कर रहा था। उसने अपनी कक्षा में आकर बड़े ब्लैकबोर्ड पर एक छोटा सा सफेद बिंदुरखा—जरा सा—कि मुश्किल से दिखायी पड़े। फिर उसने पूछा विद्यार्थियों को कि क्या दिखायी पड़ता है? किसी को भी उतना बड़ा ब्लैक बोर्ड दिखायी न पड़ा, सभी को वह छोटा सा बिंदु दिखायी पड़ा—जो कि मुश्किल से दिखायी पड़ता था। उसने कहा, यह चकित करने वाली बात है।

इतना बड़ा तख्ता कोई नहीं कहता कि दिखायी पड़ रहा है; सभी यह कहते हैं, वह छोटा सा बिंदु दिखायी पड़ रहा है तुम जो देखना चाहते हो, वह छोटा हो तो भी दिखायी पड़ता है। तुम जो देखना नहीं चाहते, वह बड़ा हो तो भी दिखायी नहीं पड़ता। तुम्हारी चाह पर सब कुछ निर्भर है। तुम्हारा चुनाव निर्णायक है।तो मैं तुमसे कहता हूं—इस जीवन में तुम कहते हो दुख पाया बहुत, अब अगले जन्म में और हमें नर्क न भेजा जाए—कोई भेजने वाला नहीं है। लेकिन इस जीवन में अगर तुमने दुख की आदत बनायी, तो तुम नर्क चले जाओगे।नर्क तुम्हारा जीवन कोण है। यह कोई स्थान नहीं है कहीं। यह तुम्हारे देखने का ढंग है। तुम जहां जाओगे, नर्क खोज लोगे। तुम्हारा नर्क तुम्हारे साथ चलता है। तुम्हारा स्वर्ग भी तुम्हारे साथ चलता है। तुम अभ्यास करना यहीं से शुरू करो। तुम कल की प्रतीक्षा मत करो कि मरने के बाद स्वर्ग जाएंगे। अधिक लोग यही भूलकर रहे हैं—कि मरे, फिर स्वर्गीय हुए!अगर जन्म में, जीते—जी नरक में रहे, तो अचानक तुम स्वर्ग में नहीं पहुंच सकते। कोई छलांग थोड़े ही है कि तुमने एकदम से तय कर लिया और तुम स्वर्ग में चले गए।

परिश्रम और धैर्य

भगवान बुद्ध का आदर्श जीवन युग-युग तक लोगों को सत्य, प्रेम और करुणा की प्रेरणा देता रहेगा।
काश, हम उनके जीवन से, उनके उपदेश से कुछ सीख पाएं! प्रस्तुत हैं गौतम बुद्ध के जीवन की प्रेरक कथा .....

एक बार भगवान बुद्ध अपने अनुयायियों के साथ किसी गांव में उपदेश देने जा रहे थे। उस गांव से पूर्व ही मार्ग में उन लोगों को जगह-जगह बहुत सारे गड्ढे खुदे हुए मिले।

बुद्ध के एक शिष्य ने उन गड्ढों को देखकर जिज्ञासा प्रकट की, आखिर इस तरह गड्ढे का खुदे होने का तात्पर्य क्या है?

बुद्ध बोले, पानी की तलाश में किसी व्यक्ति ने इतनें गड्ढे खोदे है। यदि वह धैर्यपूर्वक एक ही स्थान पर गड्ढे खोदता तो उसे पानी अवश्य मिल जाता, पर वह थोडी देर गड्ढ़ा खोदता और पानी न मिलने पर दूसरा गड्ढ़ा खोदना शुरू कर देता। व्यक्ति को परिश्रम करने के साथ धैर्य भी रखना चाहिए।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाषित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की **''गजब हरियाणा''** समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। **''गजब हरियाणा''** समाचार पत्र के प्रकाषक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के वायदों पर खरा व उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाषित सामग्री से प्रिंटिंग प्रेस का कोई लेना देना नहीं है। प्रकाषक, मुद्रक एवं स्वामी जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, सामने नया बस अडडा, कुरुक्षेत्र से छपवाकर **''गजब हरियाणा''**, प्लाट नं. 56, शिव कालोनी, के.डी.बी. रोड, कुरुक्षेत्र हरियाण से प्रकाशित व मुद्रक किया।

श्री गुरु रविदास ऐतिहासिक धर्म स्थान में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने की पूजा अर्चना

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के 5वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र का किया शुभारंभ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने सामाजिक परिवर्तन एवं मानवता के विकास के लिए जो अलख जगाया, उसकी रोशनी आज भी समाज का पथ-प्रदर्शन कर रही है। ऐसे महान लोग किसी एक जाति या संप्रदाय के गुरु नहीं थे, अपितु पूरी मानव जाति के पथ-प्रदर्शक थे। उनकी शिक्षाओं, विचारों को आज प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल रविवार को कुरुक्षेत्र श्री गुरु रविदास धर्मशाला एवं मंदिर में आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ द्वारा आयोजित 5वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र का शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल, महापीठ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य दुष्यंत कुमार गौतम, सांसद नायब सिंह सैनी, हरियाणा के सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल, महापीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सुरेश राठौर, विधायक सुभाष सुधा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला, पूर्व मंत्री कृष्ण पंवार, पूर्व अध्यक्ष आत्मा राम परमार, राष्ट्रीय महामंत्री सूरजभान कटारिया, सूरज कैरो, जसवंत पठानिया और पांडाल में श्री गुरु रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा दीपशिखा प्रज्जवलित करके 5वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र का विधिवत रुप से शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा की तरफ से बनने वाली भूमिगत पार्किंग परियोजना का शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रामनवमी पर्व पर राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन करने पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करना एक सराहनीय कार्य है। इस देश में समय-समय पर संत महात्माओं, ऋषि-मुनियों और पीर-पैगम्बरों और गुरुओं ने भूली-भटकी मानवता को जीवन का सच्चा रास्ता दिखाया। ऐसे महापुरुषों में संत शिरोमणि गुरु रविदास का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। इस महान गुरु का जन्म 644 वर्ष पहले हुआ, लेकिन उनकी वाणी और शिक्षाएं इतनी अमर है कि वे आज भी नवीन प्रतीत होती है। संत शिरोमणि गुरु रविदास किसी एक जाति या संप्रदाय के गुरु नहीं थे, वे पूरी मानव जाति के पथ-प्रदर्शक थे। उनकी शिक्षाएं पूरी मानवता के लिए थी। उनकी वाणी, आदर्श और शिक्षाएं आज भी अजर-अमर है और सदा मानवता के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहेंगी। उन्होंने भक्ति आंदोलन से समाज सुधार करने का साहसिक और ऐतिहासिक कदम उठाया, जिससे उस समय जात-पात, अंधविश्वास और ऊँच-नीच में उलझे समाज में एक नई जागृति आई। संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समाजवाद की ऐसी परिकल्पना की, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अन्न मिले और समाज में कोई भी छोटा-बड़ा ना हो, सभी एक समान हो।

उन्होंने कहा कि सरकार ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के जयंती समारोह से ही महापुरुषों की जयंती को राज्य और जिला स्तर पर मनाने का काम किया। इसी तरह सरकार ने महर्षि वाल्मीकि, संत कबीर, डा. भीमराव अंबेडकर, गुरु नानक देव का 550वां प्रकाशोत्सव, गुरु गोबिंद सिंह का 350वां प्रकाशोत्सव मनाया गया और गुरु तेग बहादुर का 400वां साला प्रकाश उत्सव 24 अप्रैल को पानीपत में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास के आदर्शों पर चलते हुए सरकार ने अंत्योदय व सबका साथ-सबका विकास की भावना को पूरी तरह से अमल में लाने का काम किया। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना को लागू किया। इस योजना को परिवार पहचान पत्र के साथ जोड़कर 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले लोगों की आय में बढ़ौतरी करने की तरफ कदम बढ़ाया है। सरकार की सोच है कि समाज के सभी वर्गों के लोग आर्थिक तौर पर आगे बढ़ सके। सरकार ने डा. अंबेडकर आवास योजना के तहत मकान की मरम्मत के लिए 80 हजार रुपए तक की अनुदान राशि बढ़ाने का काम किया। सबको आवास, बच्चों को छात्रवृत्ति, कौशल कला के व्यवसाय में सुधार करने के लिए हरियाणा कैश कला और कौशल विकास बोर्ड का गठन किया। हरियाणा प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा के तहत वृद्धों को किसी भी प्रदेश में सबसे ज्यादा 2500 रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है।

श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ ने अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए है। इस पीठ के माध्यम से वर्ष 2018 से लेकर 2022 तक लगातार अधिवेशनों का आयोजन कर संत गुरु रविदास की वाणी और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया गया। इस महापीठ के साथ हर क्षेत्र से समाज का व्यक्ति जुड़ा हुआ है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक प्रांत में एक आईटी सेल का गठन किया जाए और इस सेल में 5-5 पदाधिकारियों को रखा जाए ताकि इस आईटी सेल के माध्यम से सरकार की तमाम योजनाएं समाज के व्यक्ति तक पहुंच सके।

श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सुरेश राठौर ने कहा कि 11 मार्च 2018 को हरिद्वार की पावन धरा से इस महापीठ की स्थापना की गई। आज इस महापीठ ने एक भव्य स्वरूप धारण कर लिया है और इस पीठ का उद्देश्य संत शिरोमणि गुरु रविदास की वाणी, विचारों और उपदेशों को जन-जन तक पहुंचा कर समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया जा रहा है। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल, राष्ट्रीय महामंत्री सूरजभान कटारिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम के मंच का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री सूरजभान कटारिया ने किया। इस मौके पर उपायुक्त मुकुल कुमार, पुलिस अधीक्षक डा. अंशु सिंगला, एसडीएम नरेंद्र पाल मलिक, एएसपी कर्ण गोयल, डीएसपी सुभाष, श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल,श्री गुरु रविदास वाणी प्रचारक रीटा सोलखे, महापीठ के प्रदेशाध्यक्ष हितेंद्र चौधरी, केडीबी सदस्य केसी रंगा,मीडिया वेलफेयर क्लब के प्रधान बाबूराम तुषार सहित महापीठ के सदस्य और विभिन्न प्रदेशों से आए पदाधिकारी उपस्थित थे।

गजब हरियाणा समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख, कहानियां व अपने क्षेत्र की खबरें देने के लिए संपर्क करें। मो. 70151-93242

गजब हरियाणा समाचार पत्र को फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर, इंस्टाग्राम पर लाइक व शेयर व सब्सक्राइब करें
अपना हरियाणा अपना अखबार

अपने क्षेत्र की खबरें व विज्ञापन के लिए संपर्क करें

सुखबीर,

ब्यूरो चीफ गजब हरियाणा
यमुनानगर
मो. 93540-35035

सुखबीर
ब्यूरो चीफ यमुनानगर, मो. 9054035035

सभी देशवासियों को
भारत रत्न बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी
की
131वीं जयन्ती
की हार्दिक शुभकामनाएं
स्वामी ज्ञान नाथ, एडवोकेट
गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष
निराकारी जागृति मिशन (रजि) एंव उपाध्यक्ष
भारत संत सुरक्षा मिशन नारायणगढ रोड
नजदीक खतौली गेट

Swami Gian Nath

एकल निधि लिमिटेड
की ओर से बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी
की 131 वीं जयंती
व बैसाखी पर्व
की
लख-लख बधाई।

जतिन जरोरा
मैनेजिंग डायरेक्टर

हरदीप सिंह
मार्किटिंग डायरेक्टर

सुखबीर चौपड़ा
डायरेक्टर

महात्मा मामचन्द दास
कोर कमेटी मैम्बर

संत सतपाल दास
कोर कमेटी मैम्बर

मुकेश कुमार
बिजनेस डवेल्पमेंट आफिसर

Ekal NIDHI LIMITED

Regn. No. U65990HR2021PLN094404

EKAL NIDHI LIMITED
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत उपक्रम

For More Details : 81838-82838
• E-mail : info@ekalnidhi.com • Website : www.ekalnidhilimited.in
Office : SCO-119, SECTOR-17, Commercial Belt, HUDA, Jagadhri, Yamuna Nagar-135001

aap सभी देशवासियों को aap
AAM AADMI PARTY
बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131 वीं जयंती व बैसाखी पर्व की
की लख-लख बधाई।
मेवा राम आर्य
जिला अध्यक्ष
आम आदमी पार्टी, कुरुक्षेत्र

गजब हरियाणा समाचार पत्र के धार्मिक चैनल जीएच वर्ल्ड टीवी में गजब हरियाणा न्यूज यूट्यूब चैनल में खबरें देकर अपने व्यापार को बढ़ावा दें। बहुत कम दामों में।

सभी देशवासियों को बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती की.
की लख-लख बधाई।
स्वीटी रंगा उम्मीदवार वार्ड-3 जिला कुरुक्षेत्र
मिंहा सिंह रंगा समाजसेवी

सभी देशवासियों को
बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती व बैसाखी पर्व की
की लख-लख बधाई।
रोहताश मेहरा
संस्थापक
बहुजन स्टूडेंट वैल्फेयर
एसोसिएशन इंडिया

बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती व बैसाखी पर्व
की लख-लख बधाई।
सुरजीत भारतीय
(मास्टर जी)
समाज सेवी,
लवाना(यमुनानगर)

AAM AADMI PARTY

सभी देशवासियों को
बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती व बैसाखी पर्व की
की लख-लख बधाई।
विशाल खुबड़
उपाध्यक्ष, (उत्तरी जोन)
आम आदमी पार्टी, हरियाणा

सभी देशवासियों को
बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती की.
की लख-लख बधाई।
श्रीमति राज फुले

aap सभी देशवासियों को aap
AAM AADMI PARTY
बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131 वीं जयंती व बैसाखी पर्व की
की लख-लख बधाई।
सुनीता पांचाल
जिला अध्यक्ष (महिला)
आम आदमी पार्टी, कुरुक्षेत्र

सभी देशवासियों को
बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती की.
की लख-लख बधाई।
महीपाल अमीन समाजसेवी

सभी देशवासियों को
बाबा साहब
डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती व बैसाखी पर्व की
की लख-लख बधाई।
आशीष रंगा
(गवर्मेन्ट कॉन्ट्रेक्टर)
युवा प्रदेश अध्यक्ष
अंबेडकर समाज विकास परिषद,हरियाणा
7206720007

बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जी की
131वीं जयंती व बैसाखी पर्व की
की लख-लख बधाई।
चौधरी बीर लाल,
अध्यक्ष
आम आदमी पार्टी साढौरा

बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर जी
की
131 वीं जयंती व बैसाखी पर्व
की
लख-लख बधाई।
स.हरदीप सिंह
समाजसेवी,बराड़ा